

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-1

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-‘A’ and Group-‘B’ इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एका विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।
 এই প্রশ্নপত্রে Group-‘A’ এবং Group-‘B’-এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-‘A’

(Basic Sanskrit)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाप्रित्य सुरंगिया प्रदेयम्। 2x5=10
 निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।
- (a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरूपयत।
 निम्नलिखित पदগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।
 मधुनि, सखा, मान्ना, साधौ।
- (b) निम्नलिखितेषु द्वयोः द्वितीयावहवचने रूपं लिखत।
 निम्नलिखित शब्दগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়া বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।
 मुनि, नदी, दधि, युष्मद्।
- (c) अधस्तनेषु द्वयोः लोटि मध्यमपुरुषद्विवचने रूपं लेखनीयम्।
 निम्नलिखित धातुগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লোট্ লকারের মধ্যম পুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।
 दृश, पच, सेव, गम्
- (d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयोः पुरुषं वचनं च निर्दिशत।
 निम्नलिखित धातुरूपाগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতু রূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।
 पचन्, शूणु, अभवः, जानीहि।
- (e) ब्राह्मीलिपिमाप्रित्य पदद्वयं लिख्यताम्।
 निम्नलिखित पदগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।
 नगरी, यथाविधि, राजपथः, पाणिपादम्।
- (f) ऊर्ध्वं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूर्यन्तु।
 যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।
- (i) क्वं किं _____ ? (करोति/करोति) ✓
- (ii) पदे बालकाः _____ । (पठन्ति/पठामः)

- (g) ब्रह्मदत्तः कुत्र प्रतिवसति स्म? सः कथं ग्रामान्तरं प्रस्थितः?
ब्रह्मदत्तु कोथाय बास करत? से केन ग्रामांतरे प्रहान करेहिन?
- (h) ब्रह्मदत्तः कुत्र प्रसुतः अभवत्? प्रबुद्धः सन् सः किम् अपश्यत्?
ब्रह्मदत्तु कोथाय घुमियेहिलेन? जागरणेण पर तिनि की देखेहिलेन?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

5×2=10

निम्नलिखित प्रश्नोत्तरि मध्ये ये कौनो दूटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।

- (a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।
निम्नलिखित पदोत्तरि मध्ये पाँचटि पद बावहार करे संस्कृत भाषाय बाकागठन करो।
कलमेन, मया, फलानि, सभायाम्, पचति, अपठत्, गमिष्यामि।
- (b) पञ्चानां वाक्यानां संशोधनं कुरुत।
ये कौनो पाँचटि बाका संशोधन करे लेखो।
- (i) नरपत्युः आदेशः पालनीयः।
(ii) चत्वारः बालिकाः नृत्यन्ति।
(iii) मे मित्रः आगच्छति।
(iv) राजा न्यायेन प्रजान् शास्ति।
(v) वर्षायां मार्गः पिच्छिलः भवति।
(vi) रामचन्द्रः पितास्य आदेशेन वनं गतः।
(vii) अष्टानि फलानि आनय।

✓(c) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।

मातृभाषाय अनुवाद करो :

मन्त्रे तीर्थे द्विजे दैवे दैवज्ञे धेपजे गुरौ।

यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति तादृशी॥

✓(d) ब्राह्मीलिप्यां नासिक्यवर्णाः लेख्याः।

नासिक्यवर्णोन्नि ब्राह्मीलिपिते लेखो।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

निर्देश अनुसारे ये कौनो दूटि प्रश्नेर उत्तर दाओ :

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।

मातृभाषाय अनुवाद करो।

एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति। सः प्रतिदिनं बहून् पशून् हन्ति। एकदा पशूनां सम्मेलनम् अभवत्। सर्वे पशवः सिंहान् रक्षणस्य उपायम् अचिन्तयन्। अन्ते शशकः उपायम् उक्तवान्।

(b) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः।

संस्कृतभाषाय अनुवाद करो।

आम्हादेर देशेर नाम भारतवर्ष। एह देशेर इतिहा ओ संस्कृति अत्यन्त समृद्ध ओ प्राचीन। संस्कृत भाषा एह देशेर संस्कृतिर जीवनीशक्ति। बखेद विश्वसाहित्येर प्राचीनतम ग्रन्थ। आम्हि भारतीय हिसाबे गर्व अनुभव करि।

✓(c) अधोलिखितानां ब्राह्मीलिप्यां परिवर्तनं विधेयम्।

निम्नलिखित बाकाओन्निके ब्राह्मीलिपिते परिवर्तित करो।

- (i) तानि मधुराणि फलानि।
(ii) सदा सत्यं वद।
(iii) बालकः विद्यालयं गच्छति।
(iv) अलसः दुःखं लभते।
(v) धमराः पुष्पैः मधु पिबन्ति।

- (d) 'सर्पव्यापादनाद् रक्षितः'— अत्र कः सर्पव्यापादनात् कथं वा रक्षितः? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपादयतम्।
 'सर्पव्यापादनाद् रक्षितः'— एषाने के सर्पदंशन থেকে কীভাবে রক্ষা পেয়েছিল তা পঠিত কথানকের অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group- 'B'

(Ethical and Moral Issues)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्। 2x5=10
 निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

- (a) को नाम हिरण्यकः? स कुत्र प्रतिवसति स्म?
 হিরণ্যক কে? সে কোথায় বাস করত?
- (b) शृगालस्य नाम किमासीत्? स कथं त्रस्तहृदयः अभवत्?
 শৃগালের নাম কী ছিল? সে কেন ভয় করেছিল?
- (c) 'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मणः फलमेतत्'— कं प्रति कस्योक्तिरियम्? तत् फलं किमासीत्?
 'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मणः फलमेतत्'— কে কাকে একথা বলেছে? ওই ফলটি কী ছিল?
- (d) राजदेवयोः पार्थक्यं निरूप्यताम्।
 রাজা ও দেবতার মধ্যে কী পার্থক্য?
- (e) केषु विश्वासो न कर्तव्यः?
 কাদের বিশ্বাস করা উচিত নয়?
- (f) कल्याणकामिना पुरुषेण के दोषाः हातव्याः?
 কল্যাণকামী পুরুষের কোন দোষগুলি ত্যাগ করা উচিত?
- (g) पथिकः केन प्रकारेण प्राणान् तत्याज?
 পথিক কীভাবে প্রাণ ত্যাগ করেছিল?
- (h) दुन्दुभिं निकषा गत्वा शृगालः किमचिन्तयत्?
 দামামার নিকট গিয়ে শৃগাল কী চিন্তা করেছিল?

2. अधोलिखितेषु द्वयोः प्रश्नयोः समाधानं कर्तव्यम्। 5x2=10
 নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

- (a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।
 মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
 तदत्र सरसि स्नात्वा सुवर्णकङ्कणं गृह्णाण। ततो यावदसौ तद्वचः प्रतीतो लोभात् सरः स्नातुं प्रविशति तावन्महापङ्के निमग्नः पलायितुमधामः। पङ्के पतितं दृष्ट्वा व्याप्नोऽवदत् — अहह, महापङ्के पतितोऽसि। अतरत्त्वमहमुत्थापयामि।
 অথবা,
 पर्वन्तो लभ्यते भूमिः समुद्रस्य गिरेरपि।
 ন কর্থাঙ্কনমহীপস্য চিত্তান্তঃ কেনচিত্ কবচিত্।।